B.A. History Hon's, Part-I
Paper: II, Unit-III, Date: 24.11.2020 Lecture No.: 23
Lession: पीटर महान

पीटर महान या प्रथम (रूसी: प्योत्र वेलिकिय, प्योत्र पेर्विय; 30 मई 1672 – 28 जनवरी 1725) सन् 1682 के रूस का जार तथा सन् 1721 से रूसी साम्राज्य का प्रथम सम्राट। वह इतिहास के सबसे विश्वविख्यात राजनीतिज्ञों में से एक थी। उसने 18वीं शताब्दी में रूस के विकास की दिशा को सुनिश्चित किया था। उसका नाम इतिहास में 'एक क्रांतकारी शासक' के रूप में दर्ज है। 17वीं सदी के उत्तरार्द्ध में उसके द्वारा शुरू किए गए राजनीतिक और आर्थिक डाली। इस क्रांतकारी सम्राट की छत्रछाया में रूस रूढ़िवाद और पुरानी परम्पराओं की बेड़ियाँ तोड़ कर एक महान यूरोपीय शक्ति के रूप में उभरा। पीटर प्रथम ने सुधारों के किसी भी विरोधी को नहीं बख्शा, यहाँ तक कि अपने बेटे राजकुमार अलेक्सई को भी नहीं।

"रूस के पीटर महान के सुधारों का मूल्यांकन"

पीटर रोमानोभ वंश के संस्थापक माइकेल रोमानोभ का पौत्र था। वह जार थियोडस का छोटा भाई था। थियोडस की मृत्यु (1682 ई०) के समय पीटर की आयु 10 वर्ष थी। 1689 ई० तक पीटर व उसका भाई इवान बड़ी बहन सोफिया के संरक्षण में रहे। 1689 ई० में सोफिया को शासनाधिकार से वंचित किये जाने के बाद शासन की बागडोर पीटर व इवान के हाथों में आ गई। 1696 ई० में इवान की मृत्यु हो गई और समस्त शक्तियाँ पीटर के हाथों में केन्द्रित हो गई।

पीटर के शासक बनने के समय रूस की दशा।

जिस समय पीटर रूस का शासक बना, रूस में बड़ी अव्यवस्था फैली हुई थी। पुनर्जागरण के फलस्वरूप पाश्चिमी यूरोप में जो परिवर्तन हुए थे, रूस उनसे अप्रभावित था। इसके अनेक कारण थे:- • रूस रूढ़िवादी यूनानी चर्च का उपासक था। पाश्चिमी यूरोप के लैटिन कैथोलिक देशों से कोई सम्पर्क न होने के कारण रूस में धर्म सुधार आन्दोलन का कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। •• सांस्कृतिक दृष्टि से रूस अत्यन्त पिछड़ा हुआ था। ••• रूस एक कृषिप्रधान देश था। •••• रूस के पश्चिम में पोलैण्ड, स्वीडन, आस्ट्रिया आदि शक्तिशाली राज्यों के होने के कारण रूस सीमाओं का विस्तार अवरुद्ध था। ∴ 13वीं से 15वीं शताब्दी तक रूसी क्षेत्रों पर मुगल तातारियों का काफी बड़े भाग पर आधिपत्य स्थापित रहा।

पीटर महान के उद्देश्य: पीटर महान के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित थे:-
• सभ्यता और संस्कृति की दृष्टि से पिछड़े हुए रूस को अज्ञानता और रूढ़िवादिता के अन्धकार से निकालना तथा इसका पाश्चात्यीकरण करना उसका महत्वपूर्ण उद्देश्य था। •• पीटर रूस को यूरोपीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान दिलाना चाहता था। ••• पीटर काला सागर तथा बाल्टिक सागर पर अधिकार कर व्यापार मार्ग खोलना चाहता था। ∴ पीटर रूस में सुदृढ़ एवं निरंकुश केन्द्रीय शासन स्थापित करना चाहता था।

पीटर महान की गृह नीति अथवा पीटर महान के सुधार:- पीटर जानता था कि निरंकुश राजतंत्र की स्थापना तथा रूस का आधुनिकीकरण तब तक संभव नहीं होगा जब तक कि उसके मार्ग की बाधाएँ- अंगरक्षक दल, सामन्तीय सभा तथा चर्च पर उसका नियंत्रण स्थापित नहीं होगा। उसने रूस की तीनों बाधाओं को दूर कर रूस का आधुनीकीकरण करने के लिए निम्नलिखित कार्य किये: • यूरोपीय देशों की यात्रा – 1697 ई० में पीटर ने यूरोपीय देशों से मित्रतापूर्ण सम्बन्ध स्थापित कर कूटनीतिक सहायता की प्राप्ति के लिए एक रूसी मिशन विदेश भेजा, जिसमें वह स्वयं भी सम्मिलित हुआ। हॉलैण्ड, प्रशा तथा अन्य कई देशों की यात्रा पीटर के लिए अनुभव की पाठशाला सिद्ध हुई।

स्ट्रेल्सी के विद्रोह का दमन-पीटर की विदेश यात्रा के कारण उसकी अनुपस्थिति का
लाभ उठाकर उसके अंगरक्षक स्ट्रेल्सी ने विद्रोह कर दिया। स्ट्रेल्सी के दो प्रमुख उद्देश्य
थे :- (1) पीटर का तख्ता उलटना एवं सोफिया के संरक्षण में उसके अल्पवयस्क पुत्र
अलेक्सिस को रूस का जार बनाना, तथा (2) रूस से विदेशियों को निष्कासित करना।
∴ सामन्त सभा (ड्यूमा) को भंग करना - रूसी सामन्तीय सभा (बोयर्स) रूढ़िवादी
एवं प्रतिक्रियावादी दृष्टिकोण रखती थी। अतः पीटर ने बोयर्स को भंग कर एक नई समिति
का गठन किया। यह समिति मात्र परामर्शदात्री समिति थी, जिसमें सम्राट के प्रतिबद्ध
लोगों को नियुक्त किया गया। ∴ चर्च पर पूर्ण नियंत्रण - रूसी चर्च रूढ़िवादी था।
स्ट्रेल्सी के विद्रोह में चर्च के पदाधिकारी भी सम्मिलित थे। 1700 ई. में रूसी चर्च के
पैट्रार्क (प्रधान) की मृत्यु हो गई। 1721 ई. में पीटर ने एक धार्मिक समिति की स्थापना की।
∴ प्रशासनिक सुधार :- प्रशासन के क्षेत्र में पीटर ने निम्नलिखित सुधार किए
केन्द्रीय प्रशासनिक व्यवस्था की स्थापना की। ∴ यूरोपीय नमूने पर स्थायी जल
और स्थल सेना का गठन किया। ∴ पीटर ने सम्पूर्ण साम्राज्य को कई प्रान्तों में बाँट
दिया। ∴ पीटर ने स्वीडन के नमूने पर रूसी नौकरशाही का निर्माण किया। ∴ पीटर ने
भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए बड़े कदम उठाए। भ्रष्ट कर्मचारियों को कठोर दण्ड दिए गए।
∴ आर्थिक सुधार :- पीटर ने रूस के आर्थिक विकास के लिए अनेक योजनाएँ बनाईं तथा
उन्हें कार्यान्वित किया। रूस को आर्थिक दृष्टि से समृद्ध बनाने के लिए पीटर ने
निम्नलिखित कार्य किए : पीटर ने इंजीनियरिंग, चिकित्सा, स्थापत्य तथा जहाज
का काम सिखाने के लिए विदेशों से प्रशिक्षकों को रूस में आमंत्रित किया।
∴ पीटर ने रूस के व्यापार-वाणिज्य की उन्नति के लिए कम्पनियों की
स्थापना की और यूरोपीय राज्यों के साथ व्यापारिक संधियाँ कीं।
पीटर ने कृषि की उन्नति के लिए भी अनेक सुधार किये।
पीटर महान की विदेश नीति :- पीटर महान काला सागर तथा बाल्टिक सागर
तक पहुँच करके पश्चिम के लिए एक सीधा मार्ग बनाना चाहता था।
∴ काले सागर तक पहुँचना : काले सागर तक पहुँचने के लिए पीटर को 1696 ई. में
तुर्क सुल्तान के साथ युद्ध करके विजय प्राप्त करनी पड़ी।
∴ बाल्टिक सागर तक पहुँचना : रूस की तरफ का बाल्टिक सागर का क्षेत्र स्वीडन
के अधिकार में था। ∴ गर्म पानी की नीति :- रूस के उत्तर में श्वेत सागर था, जो
प्रायः बर्फ से ढका रहता था। इसलिए इसके द्वारा यूरोप तक नहीं जा सकता था।
संक्षेप में, पीटर के सुधारों का प्रत्येक क्षेत्र में प्रभाव पड़ा। हेज के अनुसार
"पीटर के सुधारों ने राष्ट्रीय जीवन के प्रत्येक अंग का स्पर्श करके रूस की
कायापलट कर डाली।"
फर्डिनेण्ड शेविल के अनुसार, "पीटर महान को देश की अधिकांश जनता की
रूढ़िवादिता के विरुद्ध कठोर संघर्ष करना पड़ा और अपने अथक धैर्य के
बल पर उसे अन्ततः सफलता की प्राप्ति हुई।"
पीटर के प्रयासों से रूस पिछड़ी हुई अवस्था त्यागकर
आधुनिक यूरोपीय राज्यों की पंक्ति में आ खड़ा हुआ। इसलिए पीटर को
'आधुनिक रूस का पिता' अथवा 'आधुनिक रूस का निर्माता' कहा जाता है।

डॉ॰ शंकर जय किशन चौधरी
अतिथि शिक्षक, इतिहास विभाग
डी॰ बी॰ कॉलेज, जयनगर